अमर उजाला

बरेली
सोमवार, २७ अप्रैल २०२६
वैशाख शुक्ल एकादशी
विक्रम संवत-२०८३

PAGE NO, 04 BOTTOM

रावण के अनसुने पहलू को उजागर करता है नाटक पौलस्त्य

रिद्धिमा में नाटक पौलस्त्य का मंचन करते कलाकार। स्रोत : संस्था

बरेली। स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा सभागार में रविवार को डॉ. प्रभाकर गुप्ता की लिखी कहानी व अश्वनी कुमार की ओर से रूपांतरित नाटक पौलस्त्य का मंचन किया गया। विनायक कुमार श्रीवास्तव निर्देशित इस नाटक के जरिये रावण के जीवन के अनसुने पहलुओं को उजागर किया गया। नाटक का आरंभ इक्ष्वाकु वंश के राजा अनरण्य और दसग्रीव के द्वंद्व युद्ध से हुआ। दसग्रीव अनरण्य को पराजित कर उनके कुल का भी अपमान करता है। इससे नाराज अनरण्य दसग्रीव को शाप देते हैं कि हमारे कुल में पैदा वीर ही तुम्हारा अंत करेगा। कहानी के अंत में रावण भगवान शिव और भगवान राम को स्मरण करते हुए प्राण त्याग देता है। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति आदि मौजूद रहे। संवाद